

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली के 63वें दीक्षांत समारोह (18.03.2025) में स्नातकोत्तर छात्रों (पीएचडी) के शोध प्रस्तुतिकरण

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के 63वें दीक्षांत सप्ताह (17-22 मार्च 2025) के अंतर्गत 18 मार्च 2025 को कार्यक्रम जारी रहा। इस दिन विभिन्न विषयों (कृषि रसायन, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि प्रसार, कृषि भौतिकी, सस्य विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, कीट विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्य विज्ञान, फल विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, सूक्ष्म जीवविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, पौध आनुवंशिक संसाधन, पादप रोग विज्ञान, पादप कार्यिकी, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मृदा विज्ञान और शाकीय विज्ञान) के पीएचडी छात्रों द्वारा उनके शोध कार्य की प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने अपने महत्वपूर्ण शोध उपलब्धियों को प्रदर्शित किया, जिससे वे आईएआरआई मेरिट मेडल और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार के लिए पात्र बन सके।

सत्र का संयोजन जैव रसायन विज्ञान संभाग के प्रोफेसर डॉ. अनिल दहूजा ने किया तथा सह-संयोजक भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं.,के सह अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर विद्यालय) डॉ. अतुल कुमार थे।

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के 63वें दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत 18 मार्च 2025 को आयोजित सत्र की अध्यक्षता डॉ. बी.एम. प्रसन्ना, प्रख्यात वैज्ञानिक, सीआईएमएमवाईटी एवं क्षेत्रीय निदेशक, सीआईएमएमवाईटी-एशिया, एनएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली ने की। इस सत्र में अन्य प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के सदस्य शामिल थे: डॉ. जे.पी. शर्मा, पूर्व कुलपति, एसकेयूएसटी-जे, जम्मू एवं पूर्व संयुक्त निदेशक (प्रसार), भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली; डॉ. आर.के. जैन, पूर्व डीन एवं संयुक्त निदेशक (शिक्षा), भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली; डॉ. बिमलेश मान, सहायक महानिदेशक (ईपी एंड एचएस), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली; डॉ. वी.बी. पटेल, सहायक महानिदेशक (फलों एवं बागानी फसलों), आईसीएआर, नई दिल्ली; डॉ. एस.के. शर्मा, सहायक महानिदेशक (एचआरएम), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली; इस सत्र में विभिन्न संभागों से चयनित छात्रों ने अपने शोध कार्य और महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत किए। अनुसंधान के प्रमुख विषय प्रेनाइलेटेड चाल्कोन्स का संश्लेषण और टमाटर में पादप रोगजनक सूत्रकृमियों एवं कवकों के विरुद्ध उनका मूल्यांकन; फसल कैनोपी परावर्तन-आधारित वास्तविक समय परिवर्तनशील दर उर्वरक अनुप्रयोग प्रणाली का डिज़ाइन और विकास; कृषि-उद्यमिता विकास के लिए संस्थागत हस्तक्षेपों पर अध्ययन; संरक्षण बनाम पारंपरिक कृषि के तहत मृदा पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का परिमाणीकरण और मानचित्रण; गहरी शिक्षण तकनीकों के माध्यम से कृषि मूल्य निर्धारण का मॉडलिंग; विभिन्न सिंचाई विधियों और नाइट्रोजन प्रबंधन के तहत धान-आधारित उत्पादन प्रणालियों की उत्पादकता और संसाधन बजटिंग अरहर प्रोटीन गुणवत्ता सुधार के लिए प्रसंस्करण विधियों का विकास और पॉलीफेनोल-प्रोटीन अंतःक्रिया, तकनीकी कार्यात्मकता और प्रोटीन आइसोलेट्स के साइटोटॉक्सिक गुणों का विश्लेषण; फसलों में कॉपी नंबर वेरिएशन की पहचान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पद्धति का विकास; सफेद मक्खी (बेमिसिया टैबासी) में गंध-बाइंडिंग और केमोसेंसरी प्रोटीन के जीनोम-व्यापी विश्लेषण, पहचान, लक्षण निर्धारण, अभिव्यक्ति और कार्यात्मक विश्लेषण; ऊर्ध्वाधर कृषि संरचनाओं के तहत डेंड्रोबियम ऑर्किड उत्पादन और फसलोत्तर प्रबंधन प्रोटोकॉल का मानकीकरण; अंतःप्रजातीय साइट्रस स्कायन हाइब्रिड्स का फल गुणवत्ता और स्वास्थ्य संवर्धन यौगिकों के लिए मूल्यांकन; मक्का में जेनेटिक विविधता, आणविक लक्षण निर्धारण और मेथियोनीन संवर्धन के लिए मार्कर-सहायता प्राप्त चयन; सिंथेटिक माइक्रोबियल्स (एसएम) आधारित नवीन जैव-उत्तेजक विकास जो फसल वृद्धि और पोषक तत्व उपयोग दक्षता में सुधार करें; आरएनए-सीक और छोटे आरएनए विश्लेषण द्वारा चने में बीज प्रोटीन सामग्री से जुड़े प्रमुख जीनों की पहचान; गेहूं में परजीवीकरण और विकास के लिए एंगुइना टिटिकी पर जीन और मार्गों का अध्ययन; धान में ब्लास्ट

और जीवाणु अंगमारी के विरुद्ध रोगाणुरोधी मेटाबोलाइट्स के लिए पैंटोया प्रजातियों के फाइलोस्फियर-अनुकूलित जीनोम और मेटाबोलोम लक्षण निर्धारण;संयुक्त ताप और सूखे के तनाव के तहत गेहूं में उपजी भंडार गतिशीलता और स्थायी हरियाली लक्षणों का अध्ययन;कमलम/ट्रैगन फ्रूट (हाइलोसेरियस पॉलीरिज़स) पाउडर उत्पादन के लिए ट्रे ड्रायर का उपयोग और उसके मूल्य संवर्धित उत्पादों का विकास;संशोधनों के प्रभाव से मृदा में आर्सेनिक की ठोस-घोल संतुलन, अंश और उपलब्धता का अध्ययन;खीरा (क्यूकुमिस सैटाइवस एल.) में विस्तारित शेल्फ-लाइफ से जुड़े क्यूटीएल की पहचान और मैपिंग जनसंख्या का विकास आदि शामिल थे।

इस सत्र में शोधकर्ताओं ने अपने उल्लेखनीय अनुसंधान निष्कर्ष प्रस्तुत किए, जो कृषि और संबंधित क्षेत्रों में नवाचार और उन्नति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

सौजन्य
भा.कृ.अनु.सं- मीडिया सेल, नई दिल्ली